(b) whether Government have any Plan for its use towards national integration; and

(c) if so, what role has the private sector been given to fully use this potential?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) Yes, Sir,

(b) and (c) The activities connected with film-making are maindy in the private sector in India. Many filmmakers are now making films in the video format!. In addition, films made on celluloid are being transferred to video. Besides expansion of Doordarshan has already given a great fillip to the application and use of video technology. The private sector has a significant share in all these activities. A large number of programmes produced by Doordarshan itself, or, on its behalf, by film-makers are on theme of national integration, secularism and democracy, among various other subjects

सूर्यमुखी के बीजों का आयात

2514. **श्री रशीद मसूद :**
श्री अजीत सिंह :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष के दौरान सोवियत संघ से सूर्यमुखी के बीजों का आयात किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो कितनी मात्रा में बीजों का आयात किया गया और इनका मूल्य क्या था ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि उन बीजों को आयातित करने का परिवहन-प्रभार उनके मूल्य से कई गुना अधिक था और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री हरि कृष्ण शास्त्री) : (क) और (ख) जी हां, केन्द्रीय सरकार ने पिछले वर्ष सोवियत संघ से सूरजमुखी बीजों की "उन्नत पेरेदोविक" किस्म का 35 मिट्रिक टन आयात किया था । इन बीजों की कीमत रु. 3.27 लाख थी ।

(ग) जी हां । हवाई जहाज द्वारा इन्हें लाने पर 15.75 लाख रु. खर्च हुए । इन बीजों की 86–87 के रबी के मौसम में जांच की गई थी तथा मई, 1987 में इसके संवर्धन के लिए अनुमति दे दी गई थी । 87 के खरीफ के मौसम में ही बीजों के संवर्धन के लिए बीजों को हवाई जहाज से लाया गया ताकि उसकी बुआई का एक मौसम बेकार न जाये । अगर इन बीजों को समुद्र के रास्ते लाया जाता तो उनके भारत पहुंचने में देर होती और 87 के खरीफ के मौसम में उनके संवर्धन में देरी हो जाती ।

Rehabilitation of District Central Cooperaive Banks in UP

2515. SHRI N E. BALARAM; Will the Minister of AGRICULTURE be pleased *to* state:

(a) whether 17 District Central Co-operative Banks in U.P. have been identified as weak and the National Bank for Agriculture and Rural Development has agreed to "rehabilitate" only two of them by providing finance amounting to Rs. 150 crores; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHYAM LAL YADAV); (a) Out of 57 District Central Cooperative Banks (DCCBs) in Uttar Pradesh 28 DCCBs were weak as on 30th June, i986 Rehabilitation programm$_e$ has been taken Up in thirteen weak DCCBs.